कार्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन (PROGRAMME PROJECT REPORT-PPR)

कला स्नातक (बी.ए.)

(क) कार्यक्रम का उद्देश्य एवं लक्ष्यः–स्नातक स्तरीय यह कार्यक्रम शिक्षार्थियों के लिए संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाजषास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, प्रबंधन, योग विज्ञान एवं शिक्षा विषयों को स्नातक स्तरीय ज्ञान अर्जित कराने तथा उनमें ज्ञान के गुणात्मक वृद्धि के साथ व्यतिगत बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया है ताकि शिक्षार्थी अपने क्षेत्र, प्रदेश, देश सहित विश्व में अपना सामाजिक योगदान दे सके। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षार्थियों को उच्च–शिक्षा प्रदान करना है ताकि वे–

- अपने विषय का गुणात्मक ज्ञान अर्जित कर सकें,
- नैतिक रूप से जागरूक और व्यक्तिगत सुधार करने में सक्षम हो,
- सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक रूप से समाज को अपना प्रभावी योगदान देने में सक्षम हो,
- मौलिक चिंतन के आधार पर ज्ञानार्जन से आत्मविश्वास बढ़ा सकें,
- लोकतांत्रिक, संवैधानिक, कानून व्यवस्था का सम्मान कर सकें,
- व्यवसायिक नैतिकता का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें,

(ख) उच्च–शिक्षा संस्थान में दूरस्थ शिक्षा–पद्धति से इस लक्षित कार्यक्रम की प्रासंगिकताः–यह विश्व विद्यालय छत्तीसगढ़ के दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों जशपुर, बस्तर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में अपने अध्ययन–केन्द्रों के माध्यम से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा–पद्धति से गुणवत्ता युक्त उच्च–शिक्षा प्रदान करता है। किसी भी आयु के ऐसे व्यक्ति जो कला एवं समाज विज्ञान में स्नातक होना चाहते हैं उनके लिए यह कार्यक्रम अन्य विश्व विद्यालयों के समतुल्य कार्यक्रम है।

(ग) विद्यार्थियों के संभावित लक्ष्य समूह का स्वरूपः–इस कार्यक्रम में आयु का बंधन नहीं है। वे सभी अध्ययन इच्छुक शिक्षार्थी प्रवेश ले सकते हैं जिन्होनें किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान से न्यूनतम 10+2 परीक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा उतीर्ण कर ली है।

(घ) मुक्त और दूरस्थ शिक्षा–पद्धति के तहत विशिष्ट कौशल और क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रायोजित किए जाने वाले कार्यक्रम की उपयुक्तताः–यह कार्यक्रम मुक्त और दूरस्थ शिक्षा–पद्धति से उच्च–शिक्षा प्रदान करने वाले कार्यक्रमों में से एक है। यह कार्यक्रम स्नातक स्तरीय ज्ञान के गुणात्मक वृद्धि के साथ व्यक्तिगत कौशल बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया है। मुक्त और दूरस्थ शिक्षा–पद्धति से संचालित यह कार्यक्रम व्यक्ति और व्यक्ति–समूह में समन्वय, संगठन, संतुलन स्थापित करने के लिए उपयुक्त है।

(ड़) निर्देशात्मक आकार (डिजाइन) :–

1. **अवधि और क्रेडिट** : इस कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि तीन वर्ष की है। यद्यपि शिक्षार्थी अधिकतम छह वर्षों में यह कार्यक्रम पूर्ण कर सकता है। यह कार्यक्रम 120 क्रेडिट का है।
2. **माध्यम** : यह स्नातक स्तरीय कार्यक्रम हिंदी/अंग्रेजी माध्यम में संचालित होगा।
3. **कार्यक्रम संरचना** : इस कार्यक्रम का विषयवार प्रश्नपत्रानुसार क्रेडिट वार विभाजन इस प्रकार है –

10.3.23 10-3-23

आधार पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	अंतिम वर्ष	कुल क्रेडिट
हिंदी भाषा	05 क्रेडिट	05 क्रेडिट	05 क्रेडिट	15 क्रेडिट
अंग्रेजी भाषा	05 क्रेडिट	05 क्रेडिट	05 क्रेडिट	15 क्रेडिट
पर्यावरण अध्ययन	कोई क्रेडिट नही परंतु उत्तीर्ण होना आवश्यक।			

ऐच्छिक विषय	प्रथम वर्ष		द्वितीय वर्ष		तृतीय वर्ष		
	प्रश्न पत्र	कैडिट	प्रश्न पत्र	कैडिट	प्रश्न पत्र	कैडिट	कुल क्रैडिट
हिन्दी साहित्य	1. प्राचीन हिन्दी का	05	1. अर्वाचीन हिन्दी काव्य	05	1.जनपदीयभाषा–साहित्य (छत्तीसगढ़)	05	30
	2. हिन्दी कथा साहित्य	05	2. हिन्दी भाषा–साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन	05	हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ	05	
संस्कृत–साहित्य	1. गद्य, कथा एवं साहित्येतिहास	05	1. नाटक, छंद तथा व्याकरण	05	1. काव्य, अलंकार तथा निबंध	05	30
	2. नाटक, व्याकरण और अनुवाद	05	2. पद्य तथा साहित्येतिहास	05	2. नाटक, व्याकरण तथा रचना	05	
अंग्रेजी साहित्य	**1.Literature in Englidh (1550-A.D.to1750-AD)**	05	**1-Moder English Literature – I (Reading Poetry)**	05	**1. 20th Century Literature**	05	30
	2. Literature in Englidh (1750-A.D.to1900-AD)	05	**2-Moder English Literature – II (Reading of Fiction and Drama)**	05	**2- Indian Writing in English**	05	
इतिहास	1.भारत का इतिहास (आरंभ से 1206 ई. तक)	05	1. भारत का इतिहास (1206 ई. से 1761 ई. तक)	05	1. भारत का इतिहास (1761 ई. से 1950 ई. तक)	05	30
	2. विश्व का इतिहास (सन् 1453 ई. से 1789 ई. तक)	05	2. विश्व का इतिहास (सन् 1789 ई. से 1871 ई. तक)	05	2. विश्व का इतिहास (सन् 1871 से 1945 ई. तक)	05	
समाज शास्त्र	1. समाजशास्त्र का परिचय	05	1. समाज और अपराध	05	1. समाजशास्त्रीय विचारों के आधार	05	30
	2. भारतीय समाज	05	2.जनजातीय समाजशास्त्र	05	2. सामाजिक अनुसंधान पद्धति	05	
अर्थशास्त्र	1. व्यष्टि अर्थशास्त्र	05	1. सार्वजनिक वित्त एवं अंतराष्ट्रीय अर्थशास्त्र	05	1. विकास एवं पर्यावरण का अर्थशास्त्र	05	30
	2. भारतीय अर्थव्यवस्था	05	2. समष्टि अर्थशास्त्र और मुद्रा एवं बैकिंग	05	2. परिमाणात्मक विधियाँ	05	

राजनीति विज्ञान	1. राजनैतिक सिद्धांत	05	1. पाश्चात्य राजनैतिक चिंतन	05	1. अंतरराष्ट्रीय राजनीति	05	30
	2. भारतीय शासन एवं राजनीति	05	2. तुलनात्मक शासन एवं राजनीति	05	2. लोक प्रशासन	05	
शिक्षा	1. शिक्षा अवबोध	05	1. शिक्षा और समाज	05	1. शिक्षा में भारतीय प्रयोग	05	30
	2. शिक्षार्थी अवबोध	05	2. शिक्षा और विकास	05	2. पाश्चात्य शैक्षिक विचार एवं विचारक	05	
प्रबंधन	1. प्रबंध के सिद्धांत	05	1. व्यावसायिक संचार	05	1. विपणन प्रबंधन	05	30
	2. व्यावसायिक पर्यावरण	05	2.मानव संसाधन प्रबंधन	05	2. वित्तीय प्रबंध	05	
मनोविज्ञान	1. सामान्य मनोविज्ञान प्रक्रियाएँ	04	1. मनोवैज्ञानिक मापन	04	1. मनव विकास	04	30
	2. सामाजिक मनोविज्ञान	04	2. मनोव्याधिकी	04	2. मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी	04	
	3. प्रायोगिक भाग – एक	02	3. प्रायोगिक भाग – दो	02	3. प्रायोगिक भाग – तीन	02	
योग विज्ञान	1. योग विज्ञान का परिचयात्मक स्वरूप	04	1. हठयोग विज्ञान	04	1. योग मनोविज्ञान	04	30
	2. योग दर्शन (भारतीय दर्शन के संदर्भ में)	04	2. मानव शरीर रचना एवं शरीर क्रिया विज्ञान	04	2. अनुप्रयुक्त योग	04	
	3. प्रायोगिक भाग – एक	02	3. प्रायोगिक भाग – दो	02	3. प्रायोगिक भाग – तीन	02	

4. **शिक्षण–पद्धति :** विश्व विद्यालय द्वारा विकसित शिक्षण विधि में शिक्षार्थी स्वतंत्र रूप से शामिल होंगे जिसके निम्नलिखित घटक हैं–
   (1) आत्म–निर्देषात्मक पाठ्य–पुस्तकें (स्व–अध्ययन पाठ्य–सामग्री)
   (2) विषय विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन–केंद्रों पर आयोजित परामर्श और संपर्क कक्षाएँ।
   (3) विषय से संबंधित समूह चर्चा।
   (4) रूचि आधारित कौशल विकास पाठ्यक्रमों के अनुरूप प्रशिक्षण।

5. **स्व–अध्ययन पाठ्य–सामग्री (Self learning Material-SLM) का वितरण :** कला स्नातक हेतु पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्व विद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर ने विषय विशेषज्ञों द्वारा स्व–अध्ययन पाठ्य–सामग्री तैयार करायी है। शिक्षार्थियों को स्व–अध्ययन पाठ्य–सामग्री शिक्षार्थी द्वारा ऑनलाइन प्रवेश के दौरान अंकित पते पर डाक द्वारा प्रेषित की जाती है। स्व–अध्ययन पाठ्य–सामग्री के अध्ययन में विषय से संबंधित कोई कठिनाई आती हैं, तो वह अध्ययन–केंद्र पर संचालित संपर्क कक्षाओं में विषय विशेषज्ञ द्वारा उक्त कठिनाइयों का सामाधान प्राप्त कर सकता है।

6. **कार्यक्रम हेतु विषय–विशेशज्ञ एवं सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता :** इस कार्यक्रम हेतु विषय–विशेषज्ञ और सहायक कर्मचारी विश्व विद्यालय मुख्यालय में हैं। अध्ययन–केंद्र पर संपर्क कक्षाओं के संचालन के दौरान विषय–विशेषज्ञों तथा सहायक कर्मचारियों की आवश्यकता विश्व विद्यालय के नियमानुसार पूर्ण की जाती है।

(च) प्रवेश, अंक विभाजन, मूल्याँकन–प्रक्रिया व परिणाम :

(1) योग्यता : न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 परीक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण।

(2) प्रवेश–प्रक्रिया : इस कार्यक्रम के लिए दो शैक्षणिक सत्र में वार्षिक प्रवेश–प्रक्रिया (सामान्यतः जून–सितंबर एवं दिसंबर–फरवरी के बीच) विश्व विद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि में संपन्न होती है। प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है।

(3) सत्रीय कार्य, सत्रांत परीक्षा एवं अंक विभाजन : इस कार्यक्रम में प्रवेश प्राप्त शिक्षार्थी के लिए प्रथम, द्वितीय और अंतिम वर्ष हेतु निर्धारित परीक्षाएँ–

(क) सत्रीय कार्य (Tutor Mark Assignment-TMA) : विषय के प्रत्येक प्रश्न–पत्र हेतु 30 अंक निर्धारित हैं।

(ख) सत्रांत परीक्षा (Term End Examination-TEE) : आधार पाठ्यक्रम (हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा) व पर्यावरण अध्ययन में सत्रीय कार्य नहीं होगा, केवल सत्रांत परीक्षा होगी। प्रत्येक प्रश्न–पत्र (हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा एवं पर्यावरण अध्ययन) के लिए 50 अंक तथा ऐच्छिक के लिए प्रत्येक प्रश्न–पत्र 70 अंक निर्धारित हैं।

(ग) प्रायोगिक परीक्षा (Practical examination)

10.3.23

सत्रीय कार्य एवं सत्रांत परीक्षा प्रश्नों के प्रकार व संख्या

खंड	कुल प्रश्नों की संख्या	प्रश्नों का प्रकार
वर्ग–अ	कुल 8 प्रश्न (सभी प्रश्न अनिवार्य)	अति लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा एक वाक्य
वर्ग–ब	कुल 6 प्रश्न पीरक्षार्थी को कोई 3 प्रश्न हल करने होंगे।	अति उत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 75 (आधा पृष्ठ)
वर्ग–स	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 3 प्रश्न हल करने होंगे।	लघुउत्तरीय प्रति प्रश्न शब्द सीमा 150 (एक पृष्ठ)
वर्ग–द	कुल 4 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 2 प्रश्न हल करने होंगे।	अर्द्ध दीर्घउत्तरीय प्रतिप्रश्न शब्द सीमा 300 (दो पृष्ठ)
वर्ग–ई	कुल 2 प्रश्न, परीक्षार्थी को कोई 1 प्रश्न हल करने होंगे।	दीर्घउत्तरीय शब्द सीमा 600–750 (4–5 पृष्ठ)
योग	कुल 24 प्रश्न, परीक्षार्थी को 18 प्रश्न हल करने होंगे।	

(4) **मूल्याँकन–प्रक्रिया** : योग्य परीक्षकों द्वारा किया जाएगा।

(5) **परिणाम** : विश्व विद्यालय 10 बिन्दु ग्रेड पद्धति (10 Point grading system) के आधार पर परिणाम घोषित करेगा।

(छ) **प्रयोगशाला सुविधा और पुस्तकालय संसाधनों की आवश्यकता** : इस कार्यक्रम में प्रवेषित शिक्षार्थियों को प्रवेश लेने पर स्व–अध्ययन पाठ्य–सामग्री उनके द्वारा अंकित पते पर प्रेषित कर दी जाती है। यदि शिक्षार्थी पुस्तकालय का लाभ लेना चाहता है तो विषय से संबंधित संदर्भ पुस्तकें, पत्रिकाएँ विश्वविद्यालय में उपलब्ध है। विश्व विद्यालय मुख्यालय स्थित पुस्तकालय (स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय) पर विश्व विद्यालय कार्य दिवसों में अध्ययन सुविधा उपलब्ध रहेगी। यह सुविधा अध्ययन–केंद्रों पर भी उपलब्ध रहेगी। प्रायोगिक कार्य के लिए मुख्यालय एवं अध्ययन–केंद्रों पर प्रयोगशाला उपलब्ध है।

(ज) **कार्यक्रम हेतु शुल्क प्रावधान** : इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने और उसके विकास का दायित्व निर्वहन विश्व विद्यालय करेगा। इसके लिए निधि विश्व विद्यालय अपने वार्षिक बजट में से आबंटित बजट के अनुसार करेगा।

छात्र द्वारा निम्नलिखित शुल्क देय होगा–

शुल्क (रू. में)				
शुल्क विवरण	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	अतिम वर्ष	कुल
कुल शुल्क	4300	4300	4300	12,900

(झ) **कार्यक्रम की गुणतत्ता का आँकलन और अपेक्षित परिणाम** : विश्व विद्यालय द्वारा इसके लिए एक समीक्षा–तंत्र विकसित किया जाएगा। जो अध्ययन की तात्कालीन आवश्यकताओं, मानकों और कार्यक्रम की आवश्यक रूपरेखा तय करेगा। कार्यक्रम संचालन विभागीय स्तर पर किया जाएगा। कार्यक्रम को आद्यतन, अध्ययन, शिक्षण मानकों के अनुरूप बनाने हेतु विभागीय समिति / अध्ययन मंडल (Board of Study) कार्यक्रम पर निगरानी रखेगी और आंतरिक गुणवत्ता बनाए रखने के लिए विश्व विद्यालय की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन–केंद्र (Center for Internal Quality Assurance-CIQA) नियमित रूप से कार्य करेगी। यह समिति छात्रों द्वारा प्राप्त प्रतिक्रियाएँ शामिल कर कार्यक्रम की कार्य योजना बनाएगी और गुणवत्ता युक्त शिक्षण–प्रणाल विकसित का दायित्व निर्वाह करेगी।

10.3.23 10-3-23